SHIKSHA SAMVAD
International Journal of Multidisciplinary Research
ISSN: 2584-0983 (Online)
© Shiksha Samvad|Volume-02| Issue-04| June- 2025
Available online at: https://shikshasamvad.com/

राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 और विकसित भारत@2047

गरिमा वर्मा[1] एवं डा0 आभा सिंह[2]

[1] शोध विद्यार्थी, पी0पी0एन0 (पी0जी0) कालेज, कानपुर

[2] प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, पी0पी0एन0 (पी0जी0) कालेज, कानपुर

Email: garimavema2k19@gmail.com[1]& abhappn@yahoo.co.in[2]

सारांश :

भारतीय शिक्षा प्रणाली को उन्नत एवं सक्षम बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एन0ई0पी0 2020) का गठन किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य शिक्षा को समावेषी, सषक्त एवं सुलभ बनाना है। इस शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर ले जाना है। जिससे भारत पुनः वैश्विक स्तर पर 'विश्वगुरु'बन सके।

इस समीक्षा लेख का उद्देश्य विकसित भारत@2047 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के परिदृश्य को समझना है। इस लेख में यह अध्ययन किया जाएगा किस प्रकार एन0ई0पी0 2020 भारत के युवाओं के सर्वांगीण विकास में सहायक हो सकती है तथा उन्हें एक कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाने में सहायक होगी।

विकसित भारत @2047 व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की समीक्षा करने पर यह पाया गया कि एन0ई0पी0 2020 भारत की शिक्षा के हर क्षेत्र में उसकी गुणवत्ता सुधारने के लिए अत्यधिक प्रभावी हो सकता है।

NEP 2020 से भारत को पूर्ण रुप से विकसित करने पर हर स्तर में सहायता प्राप्त हो सकती है जिससे नावाचार को बढ़ावा मिलेगा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि होगी।

जब भारत आजादी के 100वीं वर्षगांठ का जश्न बना रहा होगा उसमें स्पष्टतः ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति का एक अमूल्य योगदान की झलक प्रदर्शित होगी क्योंकि तब भारत का हर एक नागरिक में आत्मसम्मान की भावना, एकता का भाव प्रदर्शित होगा, सभी युवा आत्मनिर्भर होंगे जिससे भारत के आत्मनिर्भर होने का सपना भी सच होता नजर आएगा। और यह केवल तभी संभव होगा जब वह की शिक्षा ऐसी हो जिससे सभी में समानता का भाव विकसित हो सके।

परिचय:

यदि किसी ऐसे निवेश की बात की जाए जो सही मायने में देश या समाज का उत्थान कर सकता है तो वह है शिक्षा। एक अच्छी शिक्षा ही भारत के नागरिकों को बेहतरीन डाॅक्टर, महान नेता, प्रोफेसर, इंजीनियर आदि बनाने में सहायक होती है उससे ही देश का विकास सम्भव है, क्योंकि यदि वहाँ के नागरिक ही आत्मनिर्भर व कुषल नहीं हो तो हम एक विकसित भारत की कल्पना कैसे कर सकते हैं? जहाँ के नागरिकों में ही एकता व समानता का भाव न हो तो हम एक विकसित भारत की कल्पना की उम्मीद कैसे करे? इसलिए शिक्षा ही एकमात्र शस्त्र है जिससे वहाँ के युवाओं व नागरिकें में ऐसे बीज बोये जाए जिससे उनमें सृजनात्मकता की सोच विकसित हो और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में सहायक हो। ऐसी ही शिक्षा नीति को ध्यान में रखते हुए व 21वीं सदी के अनुरुप ही राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया गया है। इस शिक्षा नीति का उद्देश्य न केवल शैक्षिक सुधार को बढ़ावा देना है, वरन विकसित भारत 2047 के साथ भी सामंजस्य स्थापित करना है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्व

राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 शिक्षा में व्यापक परिवर्तन की परिकल्पना करती है - भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली जो सभी को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करके भारत को एक समतापूर्ण और जीवंत ज्ञान समाज में बदलने में सीधे योगदान देती है, जिससे भारत वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बन जाएगा।

NEP 2020 निम्न पाँच स्तम्भों पर आधारित है -

1. शिक्षा की उपलब्धता

2. समानता

3. गुणवत्ता

4. सामथ्र्य

5. जवाबदेही

राष्ट्रीय शिक्षा नीति न केवल संज्ञानात्मक कौशल पर आधारित बल्कि यह भावनात्मक व सामाजिक कौशल पर भी आधारित है। जिससे नागरिको में सहानुभूति, दृढ़ता व धैर्य की भावना विकसित होगी।

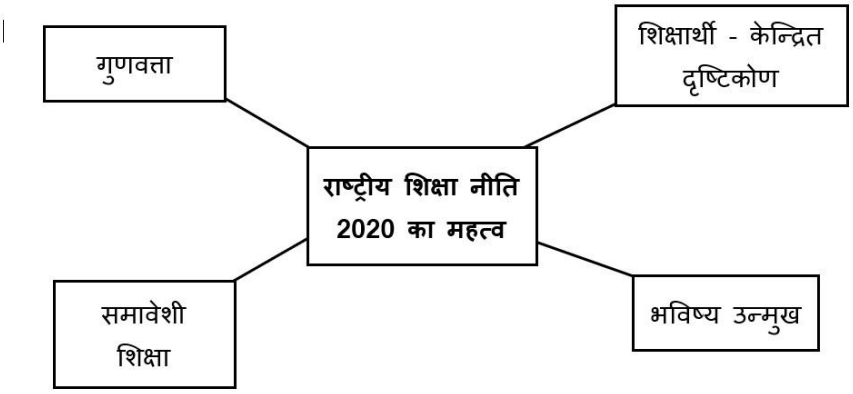

आकृति 1

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की कुछ निम्न विषेषताएँ -

- शैक्षिक स्तर तथा पाठ्यक्रम में समानता -

शैक्षिक स्तर तथा पाठ्यक्रम में जो भी असमानताएँ है तो इस शिक्षा नीति से दूर हो जाएगी जिससे समस्त राज्यों में एक समान पाठ्यक्रम बनाया जाएगा जिससे किसी अन्य राज्य में रहने वाला छात्र किसी भी अन्य राज्य में जाकर अपनी शिक्षा को पूर्ण कर सकेगा। इससे प्रत्येक छात्र वह चाहे किसी भी प्रान्त का हो प्रतियोगी परीक्षाओं में परीक्षा पास कर सकेगा।

- शैक्षिक स्तर को उच्च बनाना -

इस शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत ऐसे विषयों को समाविष्ट किया गया है जिसका स्तर उच्च हो जैसे कि गणित, विज्ञान आदि विषय न केवल हमारे देश में वरन विदेशों में भी इसे पढ़ाया जाता है। इस प्रकार देश का विद्यार्थी किसी अन्य देश में भी जाकर इस स्तर को प्राप्त कर सकेगा।

- शिक्षा संरचना में समरुपता -

एन0ई0पी0 2020 के माध्यम से पूरे देश में शिक्षा की समरुपता देखी जा सकेगी। यह समरुपता विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता की भावना को विकसित करेगी।

- मूल्यांकन की नवीन व्यवस्था -

नवीन शिक्षा पद्धति के द्वारा मूल्यांकन के लिए मूल्यांकन प्रणाली का निर्माण किया गया है। विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम ग्रेडो के आधार पर प्रदान किये जाते हैं। ये ग्रेड मुख्य रुप से 5 प्रकार के होते हैं।

1. विशिष्ट योग्यता
2. उत्तम
3. अच्छा
4. सन्तोषजनक
5. निम्न

विकसित भारत 2047 का दृष्टिकोण

विकसित भारत@2047 भारत सरकार का एक महत्वकांक्षी दृष्टिकोण है, इसका लक्ष्य साल 2047 तक भारत को आजादी की शताब्दी तक विकसित राष्ट्र बनाना है। इस विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण में आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया है।

© Shiksha Samvad | Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

10वीं सदी के भारतीय दार्शनिक आध्यात्मिक नेता और युवाओं के महान संरक्षक स्वामी विवेकानंद ने युवाओं को भारत और दुनिया के उत्थान के पीछे प्रेरक शक्ति के रुप में जाना है। स्वामी जी ने युवाओं में चरित्र निर्माण, नैतिक अखंडता और आत्मविश्वास की मजबूत भावना के महत्व पर जोर दिया।

स्वामी विवेकानंद जी के ये शब्द युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बने हुए हैं -

मुझे अपने राष्ट्र पर गर्व है। स्वामी जी ने युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण बात कही कि उठो, जागो और जब तक मत रुकों जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।

स्वामी जी ने यह भी कहा - *कोई तुम्हें सिखा नहीं सकता, कोई तुम्हें आध्यात्मिक नहीं बना सकता। आपकी अपनी आत्मा के अलावा कोई अन्य शिक्षक नहीं है।*

जब किसी भी देश के युवा उच्च आदर्शों, उद्देश्य की भावना और व्यापक ज्ञान से परिपूर्ण होते हैं, तो वे भलाई के लिए एक अजेय शक्ति बन जाते हैं। आज भारत देश हमारे महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी, कुशल नेतृत्व में अपने इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। और यह सपना तभी संभव हो सकता है जब वहाँ के युवा सषक्त व दृढ़निश्चयी हो। आज भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और 2027 तक यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगी क्योंकि आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक इसकी जीडीपी 5 ट्रिलियन अमेरिकी डाॅलर को पार कर जाएगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का अवलोकन

सफदर हाशमी द्वारा लिखित यह गीत -

पढ़ो, लिखा है दीवारों पर मेहनतकश का नारा

पढ़ो, पोस्टर क्या कहता है, वो भी दोस्त तुम्हारा

पढ़ो, अगर अन्धविश्वास से पाना है छुटकारा

पढ़ो, किताबें कहती हैं सारा संसार तुम्हारा।

इस गीत द्वारा कवि यह बताना चाहता है कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अत्यंत ही महतवपूर्ण है। शिक्षा से व्यक्ति का चारित्रिक विकास के साथ ही साथ उसके अन्धविश्वासों को भी दूर किया जा सकता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा की पहुँच, समता, गुणवत्ता, वछनीयता और उत्तरदायित्व जैसे विशेष बातों का ध्यान दिया गया है। नई शिक्षा नीति के तहत केंद्र व राज्य सरकार के सहयोग से शिक्षा क्षेत्र पर देश की जीडीपी के 50% हिस्से के बराबर निवेश का लक्ष्य रखा गया है। इसी शिक्षा नीति के तहत ही 'मानव संसाधन विकास मंत्रालय का नाम बदल कर 'शिक्षा मंत्रालय'कर दिया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति को संक्षेप में निम्न बिंदुओं के तहत समझा जा सकता है -

- नवीन शिक्षा पद्धति विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास करने तथा उन्हें रोजगार की ओर उन्मुख करने वाली है।
- यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 21वीं शताब्दी की पहली शिक्षा नीति है जिसका एकमात्र लक्ष्य हमारे देश का विकास के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करना है।
- यह शिक्षा नीति 2020 हमारे देश की परम्परा और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार को बरकरार रखते हुए 21वीं सदी की शिक्षा के लिए सभी पक्षों के सुधार और पुर्नगठन का प्रस्ताव रखती है।
- एन0ई0पी0 2020 के अनुसार, 10+2 वाली स्कूली व्यवस्था को 3-18 वर्ष तक के सभी बच्चों के लिए पाठ्यक्रम और शिक्षक शास्त्रीय आधार पर 5+3+3+4 की एक नयी व्यवस्था में पुर्नगठित करने की बात करती है।
- वर्तमान समय में 3 से 6 वर्ष तक की उम्र के बच्चे 10+2 वाले ढाँचे में शामिल नहीं है क्योंकि 6 वर्ष के बच्चों को कक्षा 1 में प्रवेष दिया जाता है। नए 5+3+3+4 ढाँचे में 3 वर्ष के बच्चों को शामिल करके प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल और एक मजबूत बुनियाद को शामिल किया गया है जिससे कि बच्चों का भविष्य और भी बेहतर हो सके और वे बेहतर उपलब्धियों को हासिल कर सके।
- यह शिक्षा नीति 34 साल पुरानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सतत् विकास के लिए एजेंडा 2030 के अनुकूल है। इसका उद्देश्य 21वीं सदी के जरुरतों के अनुकूल स्कूल और काॅलेज की शिक्षा को और भी अधिक समग्र, लचीला बनाते हुए भारत को एक ज्ञान आधारित समाज और ज्ञान की वैश्विक महाशक्ति में परिवर्तित तथा प्रत्येक छात्र में निहित क्षमताओं को सामने लाना है।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन0ई0पी0 2020) - 30 जुलाई 2020 को जारी की गयी है। इस शिक्षा नीति का गठन, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (MHRD) ने जून 2017 में एक कमिटी का गठन डाॅ0 के कस्तूरीरंगन के तहत किया था।

© Shiksha Samvad | Received: 01 June 2025 | Accepted: 05 June 2025 | Published: 11 June 2025

- इस शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य छात्र व छात्राओं का 360^0 से सर्वांगीण विकास करना है। इसमें स्कूलों के करिकुलम का पुर्नगठन किया गया है जो निम्न है -

इस शिक्षा नीति के तहत स्कूली करिकुलम में निम्न संशोधन हुआ –

मौजूदा ढाँचा	प्रस्तावित ढाँचा
आयु 3-6	फाउंडेशनल स्तर - प्राइमरी पूर्व के 3 वर्ष 3-6 + कक्षा 1-2 के 2 वर्ष (6-8 आयु)
कक्षा 1 - 10 (आयु 6-16)	प्रिपेरेटरी स्तर कक्षा 3-5 (आयु 8-11)
	मिडिल स्टेज कक्षा 6-8 (आयु 11-19)
कक्षा 11-12 (आयु 16-18)	सेकेंडरी चरण - कक्षा 9-12 (आयु 14-18)

प्रस्तुत शिक्षा नीति जिसें 29 जुलाई 2020 को भारत के केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा प्रस्तावित किया गया था, इससे पूर्व की शिक्षा नीति, 1986 पर नई शिक्षा नीति 2020 का एक सुधार है।

एन0ई0पी0 2020 का मुख्य उद्देश्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत के विकास और उसके नागरिकों का सम्पूर्ण विकास करना है। देश की स्वतंत्रता से लेकर अब तक भारतीय शिक्षा प्रणाली की विशेष भूमिका रही है। आधुनिक समय को देखते हुए भारतीय शिक्षा प्रणाली में आवश्यक बदलाव लाने हेतु केंद्र सरकार ने जुलाई 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू किया। इस नीति के माध्यम से भारतीय शिक्षा क्षेत्र में अनेक बदलावों की नीव छात्र-हित को ध्यान में रखते हुए रखी गयी।

ऐसा अनुमान लगाया जा रहा वर्ष 2024 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। यह ध्यान देने हेतु बात है कि भारत की आर्थिक व्यवस्था सिर्फ प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भर नहीं रह सकती है और इसे सही ढंग से चलाने के लिए ज्ञान के संसाधनों की भी आवश्यकता होगी।

नई शिक्षा नीति के संदभ में पूर्व शिक्षा मंत्री डा0 रमेश पोखरियाल निषंक ने कहा - ''*देश के प्रधानमंत्री ने एक नए भारत के निर्माण की बात की है - जो स्वच्छ होगां स्वस्थ भारत होगा, सशक्त भारत होगा, समृद्ध भारत होगा, श्रेष्ठ भारत होगा। उस नए भारत के निर्माण में यह नई शिक्षा नीति 2020 मील का पत्थर साबित होगी।*''

आगे फिर उन्होंने कहा -

''यह शिक्षा नीति ज्ञान-विज्ञान, अनुसंधान, नवाचार, प्रौद्योगिकी से युक्त संस्कार क्षम, मूल्यपरक, हर परिस्थिति का मुकाबला करने वाली, पूरी दुनिया के लिए भारत में ज्ञान की महाशक्ति के रुप में उभर करके आएगी।''

शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य हमारी संविधान की परिकल्पना के अनुसार एक समतापूर्ण, समावेषी और बहुलवादी समाज के निर्माण के लिए ऐसे नागरिकों का निर्माण करा है जो देश के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके।

एक अच्छा शिक्षा संस्थान वह है जहाँ प्रत्येक छात्र को समानता के भाव की अनुभूति हो, जहाँ एक सुरक्षित और प्रेरक सीखने का मौहाल मौजूद होता हो, जहाँ सिखाने के अनुभवों को एक विस्तृत श्रृंख्ला प्रदर्षित होती है और जहाँ सीखने के लिए अनुकूल भौतिक बुनियादी ढाँचे और उपयुक्त संसाधन सभी के लिए उपलब्ध होते हो।

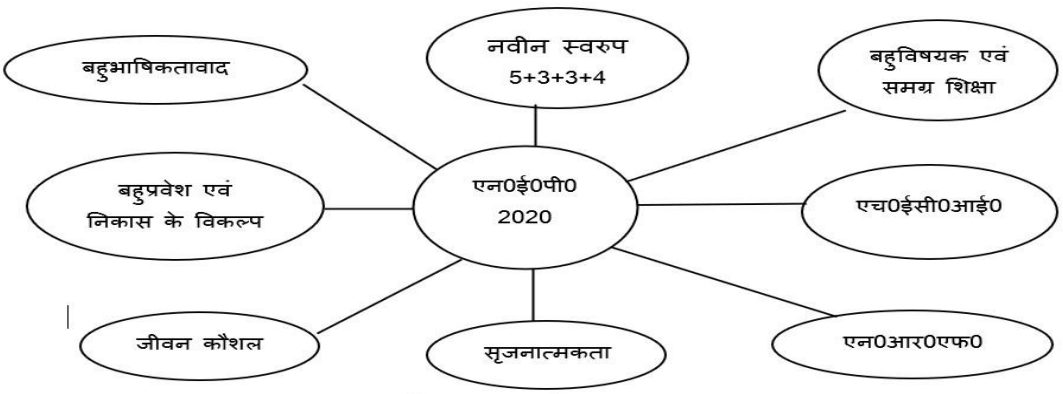

आकृति 2: NEP 2020 के मुख्य पहलू

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विकसित भारत 2047 का संबंध -

एन0ई0पी0 2020 का उद्देश्य न केवल वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है, बल्कि यह 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। यह नीति शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक सुधार की दिशा में एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रदान करती है।

विद्या विनयसम्पत्रे ब्राह्महो गति हस्तिनि।

शुनि चैव श्रवपाके च पण्डिताः समदर्षिनः।।

भगवद गीता 50:18

अर्थात् विनम्रता से गुरु विद्या प्राप्त व्यक्ति जो होता है वह चाहे ब्राह्मण हो, गाय, हाथी, कुत्ता या किसी निमन जाति के व्यक्ति में समान दृष्टि रखता है।

भगवत गीता का यह श्लोक शिक्षा में समानता और समता का संदेश देता है। एन0ई0पी0 2020 का एक मुख्य लक्ष्य यह भी है कि शिक्षा में भेदभाव को समाप्त कर, समानता का भाव विकसित किया जाए और सभी को समान अवसर प्रदान किया जाए, जिससे समाज में समरसता का विकास हो सके। स्पष्ट है कि NEP 2020 और गीता के उपदेश दोनों ही मिलकर भारत को 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायक होंगे, जिससे भारत पनुः 'विष्वगुरु'के रुप में एक बार विख्यात हो सके।

NEP 2020 का उद्देश्य न केवल वर्तमान शिक्षा प्रणाली में सुधार करना है वरन यह 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिषा में भी एक महत्पूर्ण कदम है। यह नीति शिक्षा के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक सुधार हेतु एक दीर्घकालिक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

विकसित भारत का सपना 2047 में शिक्षा

वर्ष 2047 में भारत जब अपनी आजादी 100 वर्षो का जश्न मना रहा होगा तब हमें एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करनी चाहिए जो सभी भारतीयों को सशक्त बनाए, समावेशी अर्थात सब को साथ में लेकर चले और उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों और अवरों के लिए तैयार करे।

भारत में ऐसी शिक्षा की परिकल्पना करना चाहिए जो निम्न हो -

- समावेशी शिक्षा
- गुरु-शिष्य परमपरा पर आधारित शिक्षा
- जाति-पांति, व छुआछूत की भावना से गुरु शिक्षा
- सामुदायिक सहभागिता की भावना पर आधारित शिक्षा
- सार्वभौमिक शिक्षा

SHIKSHA SAMVAD
PASSION TOWARDS EXCELLENCE

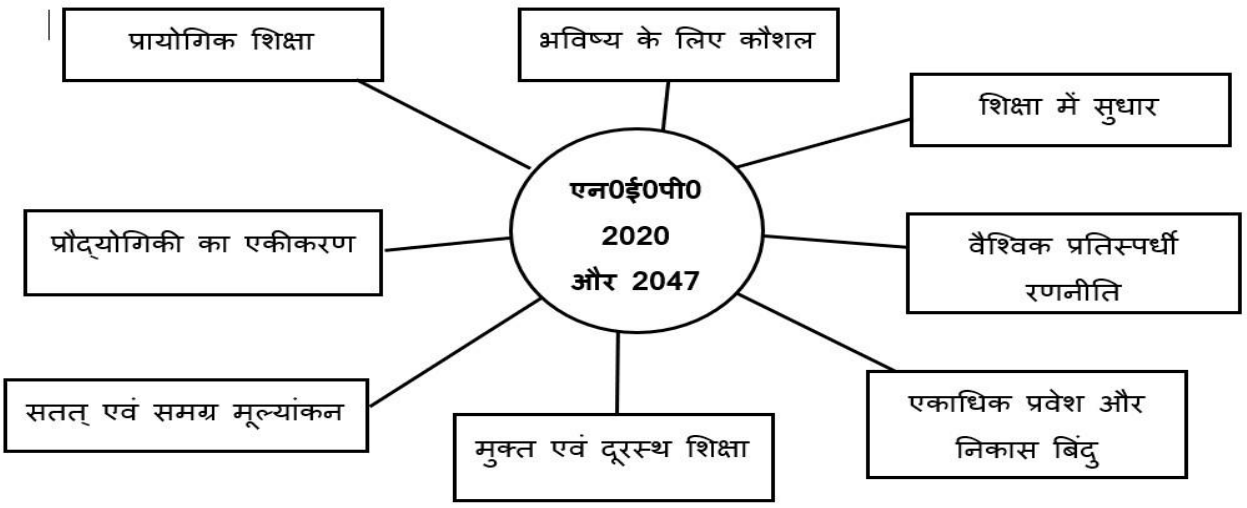

आकृति 3: एनईपी 2020 एवं विकसित भारत 2047

निष्कर्ष -

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की जब 100वीं वर्षगांठ मनाएगा। जब हम एक ''विकसित भारत'और समृद्ध भारत की कल्पना करते हैं, तो शिक्षा उसका एक मुख्य बिंदु बन जाता है। हमें एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की कल्पना करनी चाहिए जो सभी भारतीयों को सशक्त बनाए, समावेषी विकास को बढ़ावा दे और उन्हें 21वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी प्रषिक्षित करे।

भारत अपने नागरिकों को ज्ञान, कौशल और मूल्यों से सशक्त बना सकता है, ताकि वे वास्तव में विकसित भारत का निर्माण कर सकें। यह सर्वमान्य तथ्य है कि शिक्षा न केवल आर्थिक विकास का साधन है, वरन यह समतामूलक, न्यायपूर्व और समृद्ध समाज के निर्माण को आधारशिला है। हम सभी को ऐसी आशा करना चाहिए कि आजादी की 100वीं वर्षगांठ का जश्न न केवल आर्थिक उपलब्धियों के साथ मनाएँ बल्कि शिक्षा द्वारा सशक्त नागरिकों के साथ खुद के लिए और जाने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर कल का निर्माण करे।

स्पष्टतः यह कहा जा सकता है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत की शिक्षा प्रणाली को नए सिरे से गढ़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह नीति न केवल वर्तमान समस्याओं का समाधान प्रदान करती है, बल्कि इसे विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ भी जोड़ती है।

संदर्भ ग्रंथ

- www.drishtiias.com दृष्टि, The vision (राष्ट्रीय शिक्षा नीति: महत्त्व व चुनौतियाँ, 31 July 2020)
- दृष्टि, The vision (चर्चित मुद्दे) नई शिक्षा नीति, 2020
- https://www.drishtiias.com/hindi/daily-updates/daily-newseditorials/
- an-education-policy-that-is-sweeping-in-its-vision
- https://www.bbc.com/hindi/india-53581084
- www-bbc-com/hindi/india-53581084 (नई शिक्षा नीति, 29 जुलाई, 2020)
- www.drishtiias.com नई शिक्षा नीति, 25 अग., 2020
- https://prsindia.org/policy/report-summaries/ra-shha-ta-ra-ya-sha-ka-shha-na-ta-2020-399
- https://www.education.gov.in/nep/about-nep
- https://www.drishtiias.com/hindi/daily-news-editorials/an-education-policy-that-is-sweeping-in-its-vision

This is an Open Access Journal / article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution License CC BY-NC-ND 3.0) which permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited. All rights reserved

Cite this Article:

गरिमा वर्मा[1] एवं डा0 आभा सिंह[2], "राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 और विकसित भारत@2047 *Shiksha Samvad International Open Access Peer-Reviewed & Refereed Journal of Multidisciplinary Research, ISSN: 2584-0983 (Online), Volume 2, Issue 4, pp.01-07, June 2025. Journal URL:https://shikshasamvad.com/*

CERTIFICATE

of Publication

This Certificate is proudly presented to

गरिमा वर्मा एवं डा0 आभा सिंह

For publication of research paper title

"राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 और विकसित भारत@2047"

Published in 'Shiksha Samvad' Peer-Reviewed and Refereed Research Journal and E-ISSN: 2584-0983(Online), Volume-02, Issue-04, Month June 2025, Impact-Factor, RPRI-3.87.

Dr. Neeraj Yadav
Editor-In-Chief

Dr. Lohans Kumar Kalyani
Executive-chief- Editor

Note: This E-Certificate is valid with published paper and the paper must be available online at: https://shikshasamvad.com/